



3

माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर ॥ छ. ग. ॥

॥ सम. ए. नम्बर ५७९/२००५ ॥

SINGLE BENCH

अपीलाधी

अनावेदक क्रमांक-३,

... नेशनल इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड

मुपेला, आकाशा गंगा भिलाई

जिला दुर्ग ॥ छ. ग. ॥

- विरुद्ध -

उत्तरवादी-गण

अवेदक-गण

... १- एत० हमीद आत्मज एत० सैयद

आयु ५५ साल, साकिन कैम्प-१,

बुन्दानगर, शिव मन्दिर के पास,

भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग

उत्तरवादी

अनावेदक क्रमांक-१ तथा २

२- शैलेन्द्र सिंह आत्मज धानेदार सिंह

आयु १७ साल, द्वारा क्ली धानेदारसिंह

साकिन नरसिंह परिसर,

कातुल बोर्ड, दुर्ग जिला दुर्ग ॥ छ. ग. ॥

॥ स्कूटर चालक ॥

३- धानेदार सिंह आत्मज रामलखन

आयु ६० साल,

साकिन नरसिंह परिसर

कातुल बोर्ड,

दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग ॥ छ. ग. ॥

॥ स्कूटर मालिक ॥

अपील अन्तर्गत धारा-१७३ मोटर व्हीकल एक्ट १९८८

सप्तम अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ॥ एफ. टी. सी. ॥

दुर्ग, द्वारा क्लेम प्रकरण क्रमांक १४२००३ में पारित अधिनिर्णय
दिनांक ०१.१२.२००४ के विरुद्ध अपील .

अपील मूल्यांकन - ६२,२००=०० रुपये

न्याय शुल्क १५=०० रुपये

[Signature]

उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर

आदेश पत्रक

मामला क्रमांक

MA 479/05 सन् 200

विरुद्ध

आदेश का दिनांक आदेश क्रमांक सहित	आदेश हस्ताक्षर सहित	कार्यालयीन मामलों में डिप्टी रजिस्ट्रार के अन्तिम आदेश
Gowri	09-05-2005 Shri Anand Kumar Gupta, counsel for the appellant/ Insurance Company. Heard. This is an appeal preferred by the Insurance Company against the award dated 1-12-2004 passed by the Seventh Additional Motor Accident Claims Tribunal (FTC), Durg, in claim case No.1/2003. It is not disputed that the offending scooter bearing registration No. MP-24H/5419 was covered under valid insurance policy insured by the appellant. The Insurance Company in its reply had raised an objection that respondent/non-applicant No.2-Shailendra Singh did not have a valid driving licence at the time of the accident due to which the Insurance Company was not liable to pay the compensation. This is the only ground raised in the instant appeal. In the matter of <u>United India Insurance Company Limited vs. Lehu & Others</u> reported in <u>2003 (1) BLJ 145</u> the Apex Court has held that the Insurance Company cannot avoid its liability towards third party on the ground that the license of the driver of vehicle was a fake license. Learned Claims Tribunal awarded compensation of Rs.62,200/- to the claimant against the appellant/Insurance Company and the owner and driver of the offending vehicle. Since the only ground raised by the appellant is not tenable, the appeal has no substance and is accordingly dismissed. There shall be no order as to costs. Consequently, M.(C.).P.No.629/2005 and I.A.No.1146/05 also stand disposed of.	Sd/- Dilip Raosaheb Deshmukh Judge

खिये

19.5.05